

7TH JULY 2022, INDORE

COT COSMOS



THE TALK

THE SHINING STAR
OF TEXTILE INDUSTRY

NEWS HIGHLIGHTS

(जून'2022)

SOWING SUMMARY

AN INITIATIVE BY SMART INFO GROUP

Sk.Amjat (Managing Director)

+91 88885 85788

+91 9404467088

skskamjat@gmail.com

GST No. 27DCHPS5982M1ZL



The Name Of Trust

Maharashtra INDUSTRIES

Ginning & Pressing Automation Systems



Hot Box, Automatic R.C. Feeding System (Trolley) One by One Lint Suction System, Super Cleaner, R.C. & Press Belt System, Seed Screw Conveyor Ginning Pressing All Solution.

Navsari Square, Walgaon Road, Amravati. 444601 (M.S.)

One by one lint system

- a) Material :- Pipe Hopper
60 no. galvanized sheet
- b) Unit :- MS ring Separator, Bucket sackcon
Blower, Crompton motor
- c) Cromatic cylinder + Compressor
- d) Automation unit :-
PLC panel programs



Super Cleaner

- a) Structure :- Heavy duty super stick holl
Moving pulley of 10 inches
- b) Best quality bint of 1200 mm + 1400 mm + 1800 mm
- c) Crompton motor pulley with V-belt



Kawdi Cleaner

- a) 15 x 3 Feet long with 4 slots viz.
i) Bhatti
ii) Sarki (Halm)
iii) Nakki
iv) Kodi
- b) Weight :- 1000kg or 1250 kg
- c) 50 x 50 x 5 angle and MS sheet of 20 gauge size
- d) Transmission :- Motor drive wheel system



WE ALWAYS DELIVER MORE THAN EXPECTED



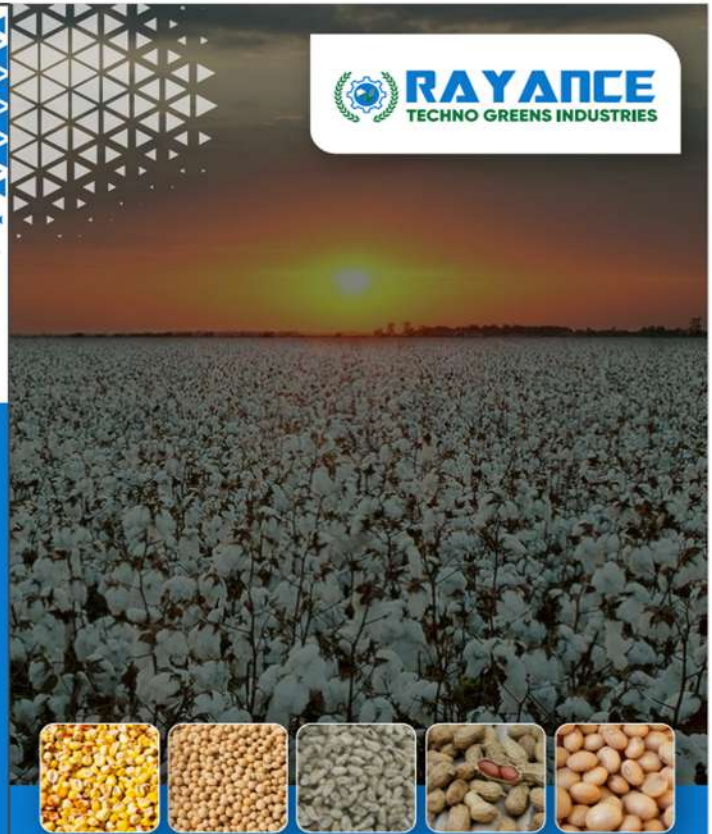
RAYANCE
TECHNO GREENS INDUSTRIES

Address: C2, 100, Manu Prabha, N-6 CIDCO, Sector F-1,
Gurushahi Nagar, Aurangabad (M.H)-431003

info@rtgi.in www.rtgi.in 7201026177 / 7387917555



RAYANCE
TECHNO GREENS INDUSTRIES



CULTIVATING IDEAS FOR GROWTH



मध्यप्रदेश के एक छोटे से गांव अंजड़ से अपने बिजनेस कैरियर की शुरुआत करने वाले श्री संजय पाटनी आज टेक्सटाइल इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। बहुत कम समय में इन्होंने एक जिनिंग और ऑइल फैक्ट्री के बिजनेस से 33 हजार स्पिंडल तक का सफर तय कर इंडस्ट्री में अपना एक खास मुकाम बनाया है। वर्तमान में वे सिद्धार्थ फाइबर, रेयॉन्स टेक्सटाइल प्रा. लि. और सिद्धार्थ प्योर स्पन प्रा.लि. जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों की कमान संभालें हुए हैं। साथ ही मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटका में भी उनकी जिनिंग मिल्स हैं।

टेक्सटाइल की दुनिया का उभरता हुआ सितारा: SANJAY PATNI



पिताजी के विश्वास से पाया लक्ष्य

अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहने वाले संजयजी स्वभाव से बेहद सहज हैं। वे बताते हैं कि 1996 में जब मैंने बिजनेस में एंट्री की थी तब हमारी केवल एक जिनिंग और ऑइल फैक्ट्री थी। मैंने स्पिनिंग इंडस्ट्री में जबरदस्त स्कोप देखा और पिताजी के सामने स्पिनिंग मिल स्टार्ट करने का प्रस्ताव रखा। चूंकि स्पिनिंग मिल स्टार्ट करना एक बहुत बड़ा इनवेस्टमेंट था इसलिए शुरुआत में उन्होंने मना किया लेकिन मेरे समझाने पर वे मान गए और उन्हीं के विश्वास का नतीजा है कि आज हमारे 33 हजार स्पिंडल और 800 रोटर्स हैं जिनकी मदद से हम रोजाना 16 टन धागे का प्रोडक्शन कर पा रहे हैं।

धर्म से जुड़ाव

भगवान ने हर आदमी को कुछ ना कुछ योग्यता दी है। मुझे लगता है जिसके पास जो है उसे उसका दान अवश्य करना चाहिए। यदि आपके पास ज्ञान है तो आप समाज को ज्ञान दे, यदि पैसा है तो पैसा दें। हमारा परिवार ने एक रीत बना ली है कि हर साल हम किसी धार्मिक संस्थान या जरूरतमंद संस्था की आर्थिक मदद करते हैं।

फ्यूचर विजन

संजयजी का कहना है कि यह इंडस्ट्री फार्म से लेकर फैशन तक है। अभी हम केवल जिनिंग और स्पिनिंग इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। हमारा अगला लक्ष्य गारमेंट इंडस्ट्री में एंट्री कर वहां अपनी पहचान बनाना है।

युवाओं के लिए

इस इंडस्ट्री में स्कोप की कोई कमी नहीं है जरूरत है तो केवल विजन की और फोकस की। आप अपना विजन बड़ा रखकर काम शुरू करें। बड़ा सोचें और बड़ा करें। और रिस्क लेने से नहीं डरें

विश्वास से मिली सफलता

इनदिनों सोशल मीडिया ने बहुत अच्छी रीच दी हुई है। जब मैंने काम स्टार्ट किया था तब रेस्ट्रिक्शन बहुत थे जिसकी वजह से पहुंच भी सीमित थी। बावजूद इसके मेरे मन में विश्वास था और मैंने मेहनत की तो मुझे सफलता मिली। मैं अपने बेटे को भी यही सीख देता हूँ कि खुद पर विश्वास रखो और मेहनत करने से नहीं डरो। हम जो नेचर को देते हैं, नेचर उसी को मल्टीपल करके हमें लौटाता है।

PROBLEM OF THE INDUSTRY

“इस इंडस्ट्री में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यहां सब कुछ अनुमान पर ही चलता है और जब अनुमानित आंकड़े गलत साबित होते हैं तो उसका असर बिजनेस पर पड़ता ही है।”

NEWS HIGHLIGHTS

- जून में मौसम रहा अनुकूल, हल्की बारिश के चलते सोइंग करने में किसानों को मिली मदद।
- नेशनल और ग्लोबल एक्सचेंज मार्केट में पूरे महीने रहा मंदी का दौर, जिससे कपास की कीमतों में आई गिरावट।
- जून के महीने में लगातार गिरे सोने और चांदी के दाम, महीने के आखिर में सोने की कीमत रही 50555/-।
- वैश्विक बाजार में मांग कमजोर होने से कपास की कीमतों पर बना दबाव।
- कपास की बोवनी का लक्ष्य ज्यादा, लेकिन अधिकतर राज्यों में बोवनी हुई कम।
- बोवनी के सही आंकड़े जुटाने में सरकार रही नाकाम, आंकड़ों में लगातार हो रही गड़बड़ बढ़ा रही उलझनें।
- कपास की बढ़ी हुई कीमतें दे रही दिक्कतें, अक्टूबर तक देश की केवल 2 से 7 प्रतिशत जिनिंग और प्रेसिंग फैक्ट्री ही कर सकेगी परिचालन।
- कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर- भारत के अपेरल एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत की आई कमी।
- पंजाब में कपास की बोवनी का मौसम हुआ खत्म, पिछले साल की तुलना में रकबा 18 फीसदी हुआ कम।
- हरियाणा की बड़ी खबर, विनौला ऑयल संचालक अब एकमुश्त टैक्स चुकाकर पा सकेंगे पैराई का लाइसेंस।



SPR SMART इन्फॉर्मेशन

कैवल 5 प्रतिशत बढ़ाई एमएसपी, जबकि बेतहाशा बढ़ रही महंगाई

जून के अंत में सोने की कीमतें 50555/- तक गिरीं। चांदी की कीमतें 2,22,000/- तक गिरीं। सोने और चांदी के दामों में लगातार गिरावट जारी है।

वैश्विक बाजार में मांग कमजोर होने से कपास की कीमतों पर बना दबाव।

कपास की बोवनी का लक्ष्य ज्यादा, लेकिन अधिकतर राज्यों में बोवनी हुई कम।

बोवनी के सही आंकड़े जुटाने में सरकार रही नाकाम, आंकड़ों में लगातार हो रही गड़बड़ बढ़ा रही उलझनें।

कपास की बढ़ी हुई कीमतें दे रही दिक्कतें, अक्टूबर तक देश की केवल 2 से 7 प्रतिशत जिनिंग और प्रेसिंग फैक्ट्री ही कर सकेगी परिचालन।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर- भारत के अपेरल एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत की आई कमी।

पंजाब में कपास की बोवनी का मौसम हुआ खत्म, पिछले साल की तुलना में रकबा 18 फीसदी हुआ कम।

हरियाणा की बड़ी खबर, विनौला ऑयल संचालक अब एकमुश्त टैक्स चुकाकर पा सकेंगे पैराई का लाइसेंस।

SPR NEWSLETTER

जून के अंत में सोने की कीमतें 50555/- तक गिरीं। चांदी की कीमतें 2,22,000/- तक गिरीं। सोने और चांदी के दामों में लगातार गिरावट जारी है।

वैश्विक बाजार में मांग कमजोर होने से कपास की कीमतों पर बना दबाव।

कपास की बोवनी का लक्ष्य ज्यादा, लेकिन अधिकतर राज्यों में बोवनी हुई कम।

बोवनी के सही आंकड़े जुटाने में सरकार रही नाकाम, आंकड़ों में लगातार हो रही गड़बड़ बढ़ा रही उलझनें।

कपास की बढ़ी हुई कीमतें दे रही दिक्कतें, अक्टूबर तक देश की केवल 2 से 7 प्रतिशत जिनिंग और प्रेसिंग फैक्ट्री ही कर सकेगी परिचालन।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर- भारत के अपेरल एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत की आई कमी।

पंजाब में कपास की बोवनी का मौसम हुआ खत्म, पिछले साल की तुलना में रकबा 18 फीसदी हुआ कम।

हरियाणा की बड़ी खबर, विनौला ऑयल संचालक अब एकमुश्त टैक्स चुकाकर पा सकेंगे पैराई का लाइसेंस।

SPR NEWSLETTER

जून के अंत में सोने की कीमतें 50555/- तक गिरीं। चांदी की कीमतें 2,22,000/- तक गिरीं। सोने और चांदी के दामों में लगातार गिरावट जारी है।

वैश्विक बाजार में मांग कमजोर होने से कपास की कीमतों पर बना दबाव।

कपास की बोवनी का लक्ष्य ज्यादा, लेकिन अधिकतर राज्यों में बोवनी हुई कम।

बोवनी के सही आंकड़े जुटाने में सरकार रही नाकाम, आंकड़ों में लगातार हो रही गड़बड़ बढ़ा रही उलझनें।

कपास की बढ़ी हुई कीमतें दे रही दिक्कतें, अक्टूबर तक देश की केवल 2 से 7 प्रतिशत जिनिंग और प्रेसिंग फैक्ट्री ही कर सकेगी परिचालन।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर- भारत के अपेरल एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत की आई कमी।

पंजाब में कपास की बोवनी का मौसम हुआ खत्म, पिछले साल की तुलना में रकबा 18 फीसदी हुआ कम।

हरियाणा की बड़ी खबर, विनौला ऑयल संचालक अब एकमुश्त टैक्स चुकाकर पा सकेंगे पैराई का लाइसेंस।

SPR NEWSLETTER

जून के अंत में सोने की कीमतें 50555/- तक गिरीं। चांदी की कीमतें 2,22,000/- तक गिरीं। सोने और चांदी के दामों में लगातार गिरावट जारी है।

वैश्विक बाजार में मांग कमजोर होने से कपास की कीमतों पर बना दबाव।

कपास की बोवनी का लक्ष्य ज्यादा, लेकिन अधिकतर राज्यों में बोवनी हुई कम।

बोवनी के सही आंकड़े जुटाने में सरकार रही नाकाम, आंकड़ों में लगातार हो रही गड़बड़ बढ़ा रही उलझनें।

कपास की बढ़ी हुई कीमतें दे रही दिक्कतें, अक्टूबर तक देश की केवल 2 से 7 प्रतिशत जिनिंग और प्रेसिंग फैक्ट्री ही कर सकेगी परिचालन।

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर- भारत के अपेरल एक्सपोर्ट में 10 प्रतिशत की आई कमी।

पंजाब में कपास की बोवनी का मौसम हुआ खत्म, पिछले साल की तुलना में रकबा 18 फीसदी हुआ कम।

हरियाणा की बड़ी खबर, विनौला ऑयल संचालक अब एकमुश्त टैक्स चुकाकर पा सकेंगे पैराई का लाइसेंस।

BABA ENGINEERING WORKS

Behind Lokmat Press, Near Shiv Oil Mill, Plot No. M-166, M.J.D.C. Phase-4, Akola - 444104, Maharashtra, India.
Phone : 0724 2268001 Mobile : 9823187650, 9423106090
Email : babaengineeringworks51@gmail.com Info:babaengineeringworks.com Website : www.babaengineeringworks.com

Cotton Seeds Fully Automated
(Online System) (With Sensor/Without Sensor)

Pulses, Ground Nut & Coriander Drier
Capacity 4 to 10 tons

Cotton Seeds Fully Automated
(Online System) (With Sensor/Without Sensor)

Capacity
3 Tons (50 Tons /24 Hours)
5 Tons (100 Tons /24 Hours)
7 Tons (150 Tons /24 Hours)

Manual (Batch System)

Cotton Seeds Fully Automated
(Online System) (With Sensor/Without Sensor)

Capacity
3 Tons (50 Tons /24 Hours)
5 Tons (100 Tons /24 Hours)
7 Tons (150 Tons /24 Hours)

Analytical Report on Sowing of Cotton

The last season of cotton was no less than a roller coaster. The record high prices of cotton were observed that is 1, 10,000/- per candy in the history of cotton trade ever. The Indian textile Ministry also removed the 11% duty being levied on the import of cotton. Traders, farmers, stockists and all other concerned entities are looking forward to the upcoming season which is supposed to get started from September 2022. SIS investigated the ground reality for sowing of cotton crop in different areas of the country. Here's is the snippet.

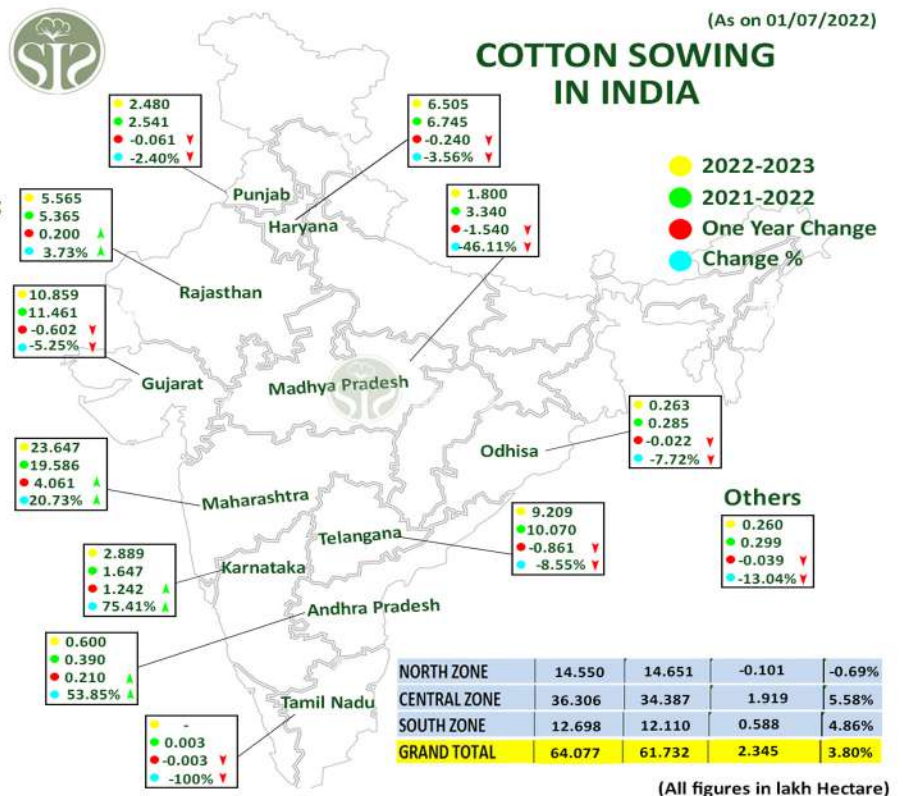
SOWING OF COTTON IN INDIA IS MAJORLY DIVIDE INTO THREE REGIONS VIZ -

- North zone consisting of Punjab, Haryana, Rajasthan.
- Central zone including Madhya Pradesh, Maharashtra and Gujarat, and third is
- South zone comprising Andhra Pradesh, Telangana, Karnataka and Tamil Nadu.

And the cotton production depends upon several constraints such as -

- More than 60% area of sowing is rain fed in central and southern region.
- The crop yield is highly prone to pest attacks and diseases.
- Frequent fluctuations in cotton rates, unpredictable market, inadequate infrastructure and export policy.

As per the data available, the sowing has been decreased 2.35% percent to 10.73 lakh hectares as compared to previous year. Also, as per the sources the sowing is delayed in Punjab, Rajasthan and Gujarat due to the delay in release of canal water. However, in Mysore district with the advancement of southwest monsoon, a considerable progress has been registered in terms of sowing. With a target set of 48,287 hectares, farmers have sown it in 48,780 hectares. Also, one of the major factors that affects sowing is the crop prone to pink bollworm attack which is making farmers think twice before increasing the acreage. By July 03, as per the Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, cotton has been sown in 14.550 lakh hectare in the north zone which is slightly less than the previous year, where as 36.306 lakh hectare in the central zone with highest sowing in Maharashtra state. In south zone, the total sowing is noted of 12.698 lakh hectare with an increase of 4.86% than last year.





**ADVERTISE
WITH US, WE
HELP YOU
PROMOTE**

**LET THE WIDER
AUDIENCE KNOW
ABOUT YOUR
SERVICES OFFERED..**

40,000+
CUSTOMERS

Avail our advertisement
service and showcase your
products or business to
customers pan India



TO OUTREACH THE MARKET

CALL US ON

+91-9111677775

MAIL US ON

India.smartinfo@gmail.com

VISIT OUR WEBSITE

Smartinfoindia.com